



दिल्ली पब्लिक स्कूल रोहिणी
सेक्टर-24, फेज-3, रोहिणी, नई दिल्ली-85
दूसरी से पाँचवीं कक्षाओं हेतु परिपत्र

DPSR/CIR/VP/18/77

सोमवार, 29 अक्टूबर 2018

‘हिंदी हृदय की भाषा है, जिसके शब्द हृदय से निकलकर हृदय को छूते हैं।’ - पंत

प्रिय अभिभावकगण,

‘हिंदी भाषा’ भारतीय संस्कृति की आत्मा है। जो अपनी सरलता, बोधगम्यता और शैली की दृष्टि से विश्व की महानतम भाषाओं में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। संसार की प्राचीन, वैज्ञानिक व समृद्ध भाषा होने के साथ-साथ, इसे भारत की राजभाषा होने का गौरव भी प्राप्त है। प्रचार माध्यमों एवं व्यापार के क्षेत्र में भी इसका प्रयोग बढ़ा है। हिंदी ने अत्यंत आत्मीयता के साथ क्षेत्रीय एवं विदेशी भाषाओं के शब्दों को आत्मसात् किया है, जिस कारण एक ओर इसका शब्दकोश विस्तृत हुआ है वहीं दूसरी ओर इसने हिंदी को मजबूती एवं समृद्धि प्रदान की है। यह भाषा हमारे सम्मान, स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है।

हिंदी भाषा के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए, बच्चों में हिंदी साहित्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एवं उसके उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल रोहिणी ने सोमवार, दिनांक 12 नवंबर 2018 से शुक्रवार, दिनांक 16 नवंबर 2018 तक ‘हिंदी सप्ताह’ का आयोजन किया है।

- इस आयोजन को विशिष्ट बनाने हेतु, दूसरी एवं तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए ‘कथावाचन सत्र’ का आयोजन किया गया है एवं इसे प्रस्तुत कर रही हैं-हिंदी की प्रख्यात कथावाचक श्रीमती मंजुलिका घोष।
- भाषिक अभिव्यक्ति की अभिवृद्धि हेतु चौथी व पाँचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए क्रमशः नाटक एवं कविता लेखन की कार्यशालाओं ‘रंग-प्रसंग’ एवं ‘तरंग’ का आयोजन किया जा रहा है।
- हिंदी सप्ताह को रोचक, ज्ञानवर्धक व उत्साहपूर्ण बनाने हेतु अनेक मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है।

हिंदी सप्ताह की सभी गतिविधियों का विवरण इस परिपत्र के साथ संलग्न है।

भाषा के उत्कृष्ट प्रयोग में दक्षता प्राप्त करना एक क्रमिक प्रक्रिया है। विद्यालयी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के साथ-साथ हम अभिभावकों से यह आशा करते हैं कि वे दिए गए सुझावों पर अमल करते हुए बच्चों की भाषा को सुदृढ़ करने में सहयोग देंगे।

- बच्चों को शुद्ध, स्पष्ट, त्रुटिरहित एवं साहित्यिक हिंदी में बातचीत के लिए प्रेरित करें।
- हिंदी साहित्य के प्रति रुचि को विकसित करने के लिए, बच्चों को जाने-माने रचनाकारों व लेखकों की कहानियाँ एवं समाचारपत्रों में आए प्रेरक-प्रसंग पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
- भाषा बोलकर व सुनकर ही अधिक विकसित होती है। अतः बच्चों से उनकी दिनचर्या के बारे में अवश्य चर्चा करें।
- बच्चों को समय-समय पर होने वाले मंचीय कार्यक्रम यथा-नाटक आदि दिखाने अवश्य ले जाएँ।
- छोटी-छोटी कहानियाँ हमारे जीवन की दिशा बदलने में सक्षम होती हैं और पारिवारिक माहौल में सुनी गई कहानियाँ एवं बड़ों के अनुभव जीवन में अमिट छाप छोड़ते हैं। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप सभी इस भारतीय परंपरा को अपनाते हुए बच्चों को कहानियाँ अवश्य सुनाएँ।

हम आशा करते हैं कि आप हमारे प्रयासों को हृदय-से ग्रहण करेंगे।

प्रधानाचार्या

दिल्ली पब्लिक स्कूल रोहिणी

हिंदी सप्ताह

सोमवार, 12नवंबर 2018 - शुक्रवार, 16नवंबर 2018

गतिविधियों का विवरण

तिथि एवं वार	समय	स्थान	कक्षा-2	कक्षा-3	कक्षा-4	कक्षा-5
सोमवार 12 नवंबर 2018	II- 8.00- 9.00 III- 8.00- 9.00 IV- 8.00- 9.35 V- 8.00- 9.00	II - कक्षा-कक्ष III- कक्षा-कक्ष IV- सभागार V- कक्षा-कक्ष	उलटा-पुलटा (विलोम शब्दों पर आधारित)	शब्द सीढ़ी (संज्ञा शब्दों का निर्माण व व्यावहारिक प्रयोग)	आओ बुने कहानी-समूह प्रतियोगिता	ज्ञान की परख (प्रश्नोत्तरी)
मंगलवार 13 नवंबर 2018	II- 8.30-10.00 III- हिंदी कालांश IV- 10.50-12.05 V- हिंदी कालांश	II - सभागार III- कक्षा-कक्ष IV- सभागार V- कक्षा-कक्ष	एक सुर-समूह कविता वाचन प्रतियोगिता	खेल-खेल में (शहर,फल व सब्जियों के नामों पर आधारित प्रपत्र)	रंग-प्रसंग (नाटक की कार्यशाला)	मेरा साथी कौन? (मुहावरे व अर्थ)
बुधवार 14 नवंबर 2018	II- 9.45- 10.45 III- 8.15- 9.35 IV - हिंदी कालांश V- हिंदी कालांश	II - सभागार III - सभागार IV - कक्षा-कक्ष V - कक्षा-कक्ष	कथा-वाचन (कथावाचक: श्रीमती मंजुलिका घोष)	कथा-वाचन (कथावाचक: श्रीमती मंजुलिका घोष)	हिंदी कहानियाँ वीडियो एवं चर्चा	हिंदी कहानियाँ वीडियो एवं चर्चा
गुरुवार 15 नवंबर 2018	II- हिंदी कालांश III- 8.30- 9.50 IV- हिंदी कालांश V- 10.50-12.05	II - कक्षा-कक्ष III - सभागार IV- कक्षा-कक्ष V - सभागार	पोटली बाबा की (वस्तु देखकर उस पर कुछ पंक्तियाँ बोलना)	एक सुर-समूह कविता वाचन प्रतियोगिता	आओ सीखें कुछ नया (वर्ग पहेली) पर्यायवाची व विलोम पर आधारित	तरंग (कविता निर्माण की कार्यशाला)
शुक्रवार 16 नवंबर 2018	II } III- } 8.00-10.00 IV } V }	II } III } IV } कक्षा- कक्ष V } सभागार	सजीव पात्र पात्र-अभिनय (पाठ्यपुस्तक की कहानियाँ)	सजीव पात्र पात्र-अभिनय (पंचतंत्र की कहानियाँ)	सजीव पात्र पात्र-अभिनय (हिंदी कवि)	विज्ञापन प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता